This question paper contains 2 printed pages. **Your Roll No. ....**

Sl. No. of Ques. Paper : **7824** **GC**

Unique Paper Code : **62051103**

Name of Paper : **Hindi B**

Name of Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय।।

अथवा

सुनि केवट के बैन प्रेम लपेटे अटपटे।
बिहसे करुणाऐन चितह जानकी लखन तन।।

(ख) इंद्र जिमि जंभ पर, बाड़व ज्यौं अंभ पर, रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।
पौन बारिबाह पर, संभु रतिनाह पर, ज्यौं सहस्रबाहु पर राम द्विजराज है।
दावा द्रुमदंड पर, चीता मृगझुंड पर, भूषण बितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेज तम-अंस पर, कान्ह जिमि कंस पर, त्यौं मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज है।

अथवा

सटपटाति-सी ससिमुखी, मुख घूँघट-पटु ढाँकि।
पावक झर-सी झमकि कै गई झरोखा झाँकि।।

(ग) कृष्णचंद्र की क्रीड़ाओं को
अपने आँगन में देखो।
कौशल्या के मातृमोद को
अपने ही मन में लेखो।।

अथवा

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव
नवल कंठ, नव जलद-मंद्र रव;
नव नभ के नव विहग-वृंद को
नव पर, नव स्वर दे!

10+10+10=30

2. बिहारी **अथवा** भूषण का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

3. 'केवट-प्रसंग' **अथवा** कबीर की साखियों का सार लिखिए। 10

P. T. O.

4. भूषण **अथवा** बिहारी की रचनाओं के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। 10

5. (क) किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए:

(i) हिन्दी का उद्भव

(ii) खड़ी बोली। 5

(ख) किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए:

(i) आदिकालीन कविता

(ii) राम-भक्ति-काव्य

(iii) रीति काल

(iv) द्विवेदी युग। 5+5=10